Sl.No. :

नामांक Roll No.

No. of Questions – 13

No. of Printed Pages – 7

SS–21–Hindi Lit. (D & D)

यहाँ से काटिए

उच्च माध्यमिक (मूक–बधिर) परीक्षा, 2016

हिन्दी साहित्य

समय : 4¼ घण्टे

पूर्णांक : 80

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

2) **सभी** प्रश्न करने अनिवार्य हैं ।

3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में निर्धारित शब्द–सीमा में लिखें ।

4) जिस प्रश्न के **अ, ब, स, द, य** भाग हैं, उन सभी भागों का हल एक साथ सतत् लिखें ।

यहाँ से काटिए

खण्ड – क

1) निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(प्रति प्रश्न उत्तर सीमा 20 से 30 शब्द)

हमारा नमचुम्बी नगराज,
विश्व में इतना ऊँचा कौन?
हमारी ही भागीरथी पवित्र,
नदी इतनी गौरवमयी कौन?
हमारे ही उपनिषद् महान,
श्रेष्ठतम कहे विश्व हो मौन।

जहाँ की धरती ही दिन रात स्वर्ण किरणों सी चमक रही।
चलो गावें हम ''भारत की समता में कोई देश नहीं।।''

देश जो ऋषियों की तपोभूमि,
जहाँ पर उपजे वीर महान।
जहाँ गूँजे नारद के गीत,
जहाँ सद्विषयों का सम्मान।
जहाँ पर अतुल ज्ञान है भरा,
दिए उपदेश बुद्ध भगवान।

हिन्द से अधिक, विश्व में कोई देश कहीं प्राचीन नहीं।
चलो गावें हम ''भारत की समता में कोई देश नही।।''

अ) दिए गए काव्यांश का एक उचित शीर्षक लिखिए। **[1]**

ब) 'नगराज' किसे कहा गया है और क्यों? **[½ + ½=1]**

स) कौनसी नदी को सर्वाधिक पवित्र बताया गया है? क्यों? **[1 + 1 = 2]**

द) प्रस्तुत काव्यांश के आधार पर इस कथन का तात्पर्य बताइए कि – ''भारत की समता में कोई देश नहीं''। **[2]**

य) 'नमचुम्बी नगराज' में कौनसा अलंकार है और क्यों? **[1 + 1 = 2]**

2) निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(उत्तर सीमा 20 से 30 शब्द)

हमारे साहित्य और संस्कृति के मूल में यह अवलोकन रहा है कि जीव या मानव बुराई से अच्छाई की ओर, हीनता से उच्चता की ओर, असंयम से संयम की ओर, हिंसा से अहिंसा की ओर और पशुता से मनुष्यता की ओर बढ़ा है। जीवन में यदि असत् का, बुरे का बहिष्कार न हो और सत् की, अच्छे की, प्रतिष्ठा न की जाय, तो उस जीवन का कोई मूल्य नहीं रहता।

अतएव जीवनदायी साहित्य को सत्साहित्य कह सकते हैं और सत्साहित्य वही ठहरा जो सद्भावों, सद्गुणों, सत्शक्तियों को बढ़ावे, हमेशा सत्प्रेरणाएँ दे और सत्क्रियाओं में हमें लगावे।

अ) दिए गए गद्यांश का एक उचित शीर्षक लिखिए। **[1]**

ब) 'हीनता' शब्द में कौनसा प्रत्यय लगा है? **[1]**

स) आप कैसे कह सकते हैं कि जीव या मानव 'पशुता से मनुष्यता' की ओर बढ़ा है? **[2]**

द) किस स्थिति में जीवन का मूल्य नहीं रह जाता है? **[2]**

य) 'सत्साहित्य' की विषेषताएँ बताइए। **[2]**

खण्ड – ख

3) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 150 शब्दों में निबन्ध लिखिए : **[8]**

अ) प्रकाश का पर्व – दीपावली

ब) बालश्रम – सामाजिक कलंक

स) नैतिक शिक्षा – आज की आवश्यकता

द) स्वावलम्बन

य) इण्टरनेट

4) निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर लगभग 20 से 30 शब्दों में दीजिए :–

अ) 'उलटा पिरामिड शैली' को समझाइए। **[2]**

ब) टी. वी. खबरों के विभिन्न चरणों का नाम लिखें साथ ही किसी एक चरण को स्पष्ट करें। **[1 + 1 = 2]**

स) फीचर लेखन व समाचार लेखन में कोई 4 अंतर संक्षेप में लिखिए। **[2]**

द) किसी कहानी में पात्रों के संवाद का महत्त्व लिखिए। **[2]**

5) विद्यालय में आयोजित 'कैरियर डे' अथवा 'सड़क सुरक्षा सप्ताह' पर एक रिपोर्ट समाचार–पत्र में प्रकाशन हेतु लिखिए। **[4]**

(उत्तर सीमा 60 से 80 शब्द)

खण्ड – ग

6) निम्नांकित काव्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :– **[7]**

यह वह विश्वास, नहीं जो अपनी लघुता में भी काँपा,

वह पीड़ा, जिस की गहराई को स्वयं उसी ने नापा;

कुत्सा, अपमान, अवज्ञा के धुँधुआते कड़ुवे तम में

यह सदा–द्रवित, चिर–जागरूक, अनुरक्त–नेत्र,

उल्लंब–बाहु, यह चिर–अखंड अपनापा।

जिज्ञासु, प्रबुद्ध, सदा श्रद्धामय, इसको भक्ति को दे दो–

यह दीप, अकेला, स्नेह भरा

है गर्व भरा मदमाता, पर इसको भी पंक्ति को दे दो।

अथवा

राघौ? एक बार फिरि आवौ।

ए बर बाजि बिलोकि आपने बहुरो बनहिं सिधावौ।।

जे पय प्याइ पोखि कर–पंकज वार वार चुचुकारे।

क्यों जीवहिं, मेरे राम लाडिले! ते अब निपट बिसारे।।

भरत सौगुनी सार करत हैं अति प्रिय जानि तिहारे।

तदपि दिनहिं दिन होत झाँवरे मनहुँ कमल हिममारे।।

सुनहु पथिक? जो राम मिलहिं बन कहियो मातु संदेसो।

तुलसी मोहिं और सबहिन ते इन्हको बड़ो अंदेसो।।

7) निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 से 40 शब्दों में दीजिए :–

अ) हिमालय किधर है? [2]

मैंने उस बच्चे से पूछा जो स्कूल के बाहर

पतंग उड़ा रहा था

उधर–उधर–उसने कहा

जिधर उसकी पतंग भागी जा रही थी

उपर्युक्त पंक्तियों के भाव सौन्दर्य को लिखिए।

ब) हेम–कुंभ ले उषा सवेरे–भरती ढुलकाती सुख मेरे। [2]

मदिर ऊँधते रहते जब–जगकर रजनी भर तारा।

उपर्युक्त पंक्तियों के कला (शिल्प) सौन्दर्य को लिखिए।

8) निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर 30 से 40 शब्दों (लगभग) में दीजिए –

अ) 'बुझ गई है लौ पृथा की, [2]

जल उठो फिर सींचने को।' – पंक्तियों के आधार पर 'गीत गाने दो मुझे' कविता का केन्द्रीय भाव लिखिए।

ब) कवि केशवदास के अनुसार देवी सरस्वती की उदारता का गुणगान क्यों नहीं किया जा सकता है? [2]

खण्ड – घ

9) निम्नांकित गद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :– [7]

दुख और सुख तो मन के विकल्प हैं। सुखी वह है जिसका मन वश में है, दुखी वह है जिसका मन परवश है। परवश होने का अर्थ है खुशामद करना, दाँत निपोरना, चाटुकारिता, हाँ–हजूरी। जिसका मन अपने वश में नहीं है वही दूसरे के मन का छंदावर्तन करता है, अपने को छिपाने के लिए मिथ्या आडंबर रचता है, दूसरों को फँसाने के लिए जाल बिछाता है।

अथवा

अभी भी मानव–संबंधों के पिंजड़े में भारतीय जीवन विहग बंदी है। मुक्त गगन में उड़ान भरने के लिए वह व्याकुल है। लेकिन आज भारतीय जनजीवन संगठित प्रहार करके एक के बाद एक पिंजड़े की तीलियाँ तोड़ रहा है। धिक्कार है। उन्हें जो तीलियाँ तोड़ने के बदले उन्हें मज़बूत कर रहे हैं, जो भारतभूमि में जन्म लेकर और साहित्यकार होने का दंम करके मानव मुक्ति के गीत गाकर भारतीय जन को पराधीनता और पराभव का पाठ पढ़ाते हैं।

10) निम्नांकित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए :–

(उत्तर–सीमा लगभग 40 शब्द)

अ) 'धर्म का रहस्य जानना वेदशास्त्रज्ञ धर्माचार्यों का ही काम है।' आप इस कथन से कहाँ तक रहमत हैं? धर्म संबंधी अपने विचार व्यक्त कीजिए। **[2]**

ब) ''चांद्रायण व्रत करती हुई बिल्ली के सामने एक चूहा स्वयं आ जाए तो बेचारी को अपना कर्त्तव्य पालन करना ही पड़ता है।'' 'कच्चा चिट्ठा' पाठ के आधार पर बताइए कि यह वाक्य किस संदर्भ में कहा गया है और क्यों? **[2]**

स) 'असगर वजाहत की लघुकथा 'शेर' वर्तमान स्थितियाँ का सही चित्रण करती है।' कैसे? स्पष्ट कीजिए। **[2]**

11) घनानंद या ममता कालिया का साहित्यिक परिचय लगभग 60 शब्दों में लिखिए। **[4]**

खण्ड – ङ

12) निम्नांकित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए :–

(उत्तर–सीमा 40 शब्द)

अ) ''खेल में रोते हो?'' इस कथन को सुनकर सूरदास की मन:स्थिति पर क्या प्रभाव पड़ा? **[2]**

ब) 'आरोहण' कहानी के आधार पर पर्वतीय प्रदेशों में रहने वाली स्त्री की स्थिति पर अपने विचार लिखिए। **[2]**

स) 'फूल केवल गंध ही नहीं देते दवा भी करते है'; कैसे? [2]

द) ''नदी का सदानीरा रहना जीवन के स्त्रोत का सदा जीवित रहना है।'' कैसे? समझाइए। [2]

य) 'यह फूस की राख न थी, उसकी अभिलाषाओं की राख थी।' 'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ के आधार पर इस कथन को समझाइए। [2]

13) ''हम जिसे विकास की औद्योगिक सभ्यता कहते हैं, वह वास्तव में उजाड़ की अपसभ्यता है?'' इस कथन को 'अपना मालवा–खाऊ उजाडू सभ्यता' अध्याय के आधार पर तर्क सहित विश्लेषित कीजिए। [6]

(उत्तर–सीमा 60 शब्द)

● ● ●

DO NOT WRITE ANYTHING HERE